कलेक्टर मैहर ने मैदानी अमले से वन-टू-वन चर्चा कर की समीक्षा

मैहर में सभा संवाद का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

मैहर 23 अप्रैल, शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर मैहर श्रीमती विदिशा मुखर्जी ने गुरुवार को एकलव्य आवासीय विद्यालय स्थित मां शारदा ऑडिटोरियम में फ्सभा संवादफ् कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस पहल के जरिए मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों से सीधे संवाद कर जमीनी हकीकत जानने और कार्यप्रणाली में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में मैहर तहसील के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सेक्टर सुपरवाइजर, सीएचओ, एएनएम, आशा-उषा कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर के साथ कलेक्टर ने वन-टू-वन चर्चा की। कलेक्टर ने एएनसी पंजीयन, प्रथम तिमाही में पंजीयन की स्थिति, हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के चिन्हांकन एवं प्रबंधन, एचबीएनसी के तहत गृह भेंट, एनसीडी और टीबी स्क्रीनिंग, टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कर्मचारियों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। उन्होंने शिशु एवं मातृ-मृत्यु के प्रकरणों में एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं से एक-एक मृत्यु के संबंध में बिन्दुवार जानकारी लेकर समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके क्षेत्र में एक भी मेटरनल डेथ हुई अथवा कोई बच्चा कुपोषित हुआ तो संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि सीएचओ अपने क्षेत्र में एक्टिव रहे और सतत भ्रमण कर एनीमिया, सिकल सेल और कुपोषण सहित अपने काम पर फोकस करें। इस दौरान कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया। वहीं कार्य में रुचि नहीं लेने वाले और लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्यग्वाही के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं का वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब फील्ड स्तर पर जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाएगा।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में एसडीएम मैहर सुश्री दिव्या पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र बंगारे, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, बीएमओ डॉ. पियूष पाण्डेय सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर पहुंचे उरईचुआ गांव, दिए जल संकट दूर करने के निर्देश

नवभारत न्यूज

सतना 23 अप्रैल, उचेहरा पंचायत क्षेत्र के जनपद के रामपुर पाठा के उरईचुआ गांव के साकेत मोहल्ला के जल संकट क्षेत्र पहुंचे में जैसे ही जिला कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस पहुंचे अपने बीच पा मोहल्ले वासियों को इस बात की खुशी हुई कि शायद उनकी समस्याओं का निदान अब हो जाएगा ।

मौके पर ग्रामीणों की पेय जल समस्या को दूर करने पी एच ई विभाग को निर्देशित करते जिला कलेक्टर ने कहा कि एक अन्यत्र जगह दूसरा बोर खनन करने सहित अन्य जगह जल स्रोत तलासने के निर्देश दिये । ज्ञात हो की अभी बर्तमान समय में जिस जगह पर सब मर्सिबल पम्प लगा है उसमें वाटर लेबल बहुत ही कम है ग्रामीणो ने चर्चा में बताया कि पूरा काम धंधा छोड़ कर दिन रात पानी के लिए ही लाइन में लगना पड़ता है इसके बाद भी पीने के लिए पानी नहीं मिल पाता है जैसे जैसे गर्मी का पारा च?ता जा रहा है वैसे वैसे ग्रामीणो को जल संकट से और जूझना प?ता है । पंचायत के उरईचुआ में जल संकट कोई पहली बार नही हुआ । जनपद से लेकर जिला के अधिकारी यहां के हालात से वाकिब है । पेयजल की समस्या को लेकर जनपद स्तर में कई बार समीक्षा बैठक हो चुकी बैठक में सभी पंचायत के जिम्म्मेदारो को जल संकट दूर करने पानी परिवहन के निर्देश भी दिये गए लेकिन पंचायत सूत्रो की माने तो शासन द्वारा परिवहन में लगने वाले खर्च का जब बजट ही नही एलाट है तो ऐसे में कैसे परिवहन में लगने वाले ब्यय का भुगतान हो सकेगा केवल निर्देश ही रह गये फिलहाल अहम सवाल है कि उरईचुआ में जिला कलेक्टर के भ्रमण और दिये निर्देश का कब तक मे होगा पालन ये देखने वाली बात होगी निरीक्षण मे दरमियान एस डी एम सुमेश द्विवेदी ,सी ई ओ ओ पी अस्थाना एस डी ओ इंजीनियर राकेश ताम्रकार, रोजगार सहायक आशीष पाठक पी एच ई एस डी ओ सहित मैदानी अमला मौजूद रहा ।

पौधा भेंट कर मनाया विधायक विक्रम सिंह विक्की का जन्मदिन

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान 23 अप्रैल, गुरुवार को रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह विक्की भैया के जन्मदिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए दिव्यदृष्टि सेवा परिषद् के सचिव पुष्पराज कुशवाहा ने विधायक श्री सिंह को उनके निवास पहुंच कर पौधा भेंट कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर पुष्पराज कुशवाहा ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है और पौधारोपण जैसे छोटे-छोटे प्रयास ही भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के जन्मदिन जैसे अवसरों को सेवा और जागरूकता के रूप में मनाना समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश है। साथ ही उन्होंने विधायक के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए क्षेत्र के निरंतर विकास हेतु उनके नेतृत्व की सराहना की।विधायक विक्रम सिंह ने इस अभिनव पहल के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि पौधा भेंट करना वास्तव में एक सार्थक और दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान मुख्य रूप से सम्राट सिंह, शिवम त्रिपाठी, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ,शिवम पाण्डेय इन्द्रबहादुर सिंह शिवेंद्र मिश्रा अभय सिंह तिवारी, पवन गौतम ,प्रदीप सिंह ,शिवमोहन सिंह, सुनील सिंह ,कुबेर ताम्रकार ,गंगा सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में छात्रों को माइग्रेशन व डिग्री प्रमाणपत्र अब ऑनलाइन

- एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन की सुविधा
- प्रोविजनल डिग्री व माइग्रेशन प्रमाणपत्र ऑनलाइन उपलब्ध होंगे

नवभारत न्यूज

चित्रकूट, 23 अप्रैल । महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल प्रारंभ की है।

इस पहल के अंतर्गत अब विश्वविद्यालय के नियमित एवं दूरवर्ती (डिस्टेंस) माध्यम से उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं अपने माइग्रेशन प्रमाणपत्र, प्रोविजनल डिग्री एवं डिग्री प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

यह नई सुविधा एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है, जिससे विद्यार्थियों को अब विश्वविद्यालय आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। छात्र कहीं से भी, किसी भी समय ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, माइग्रेशन प्रमाणपत्र एवं प्रोविजनल डिग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाने से प्रक्रिया में पारदर्शिता, त्वरित निष्पादन और सुविधा सुनिश्चित होगी। यह पहल डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों के अनुरूप है तथा विद्यार्थियों के समय एवं संसाधनों की बचत करेगी। कुलगुरु प्रो आलोक चौबे ने इस नवाचार को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार की तकनीकी सुविधाओं का विस्तार करता रहेगा, जिससे शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाया जा सके।

विश्वविद्यालय ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस ऑनलाइन सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाएं और अपनी आवश्यक प्रमाणपत्र सेवाओं के लिए डिजिटल माध्यम का उपयोग करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान में खजलिया तालाब में हुई सफाई

नवभारत न्यूज

नागौद 23 अप्रैल, नगर परिषद नागौद द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक सतत रूप से चलाया जा रहा है ,इसी के तहत गुरुवार को खजलिया तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया तथा जवाहर चौक में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने इस अभियान में सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुराने जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार जागरूकता चला कर जन भागीदारी से किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं जल संरक्षण को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वरूप दिया जा सके मुख्य रूप से मानेद्र सिंह ,मोहम्मद सलीम ,आशीष तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रामनगर नगर परिषद में कर्मचारियों से क्रूर मजाक

- पहले 26 को बनाया खास, फिर सबको किया बर्बाद 6 महीने से नहीं मिली कर्मचारियों को वेतन

नवभारत न्यूज

रामनगर 23 अप्रैल, नगर परिषद रामनगर अध्यक्ष की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में है। सरकारी दस्तावेजों की पड़ताल से साफ हुआ है कि कैसे पहले फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई गई और बाद में पूरी परिषद के कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया गया।

आलम यह है कि आज नगर परिषद के कर्मचारी पिछले 6 महीनों से एक-एक पैसे के लिए मोहताज हैं, लेकिन प्रशासन मौन है।

साजिश की क्रोनोलॉजी% समझिए- अप्रैल 2025 (संकल्प 11)= सबसे पहले मस्टर रोल का डर दिखाकर पूरे विभाग को आउटसोर्स% के हवाले करने का जाल बुना गया। **जुलाई 2025 (संकल्प 260)-** कर्मचारियों की एकता तोड़ने के लिए 'पिक एंड चूज' पॉलिसी अपनाई गई। सैकड़ों में से महज 26 कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी (दैनिक वेतन भोगी) बनाने का झुनझुना थमाया गया।

वर्तमान स्थिति= आज वह 26 का आंकड़ा महज एक 'छलावा' साबित हुआ है। असलियत में सभी को आउटसोर्स में झोंक दिया गया है और 6 महीनों से वेतन रोककर कर्मचारियों का आर्थिक कत्ल किया जा रहा है।

पीआईसी बैठक बनी 'मजाक', अध्यक्ष पर गंभीर आरोप - कर्मचारियों का आरोप है कि अध्यक्ष ने पीआईसी (PIC) की बैठकों को अपनी निजी जागीर बना लिया है।

मतभेद की राजनीति - 26 लोगों को विशेष दर्जा देने का लालच देकर कर्मचारियों के बीच दो फा? की गई ताकि कोई बड़ा आंदोलन न खड़ा हो सके।

गुमराह करने का खेल - जब सभी को अंततः आउटसोर्स ही करना था, तो नियमितीकरण की फाइलें और पीआईसी के संकल्प महज कागजी कोरम क्यों पूरे किए गए?

वेतन पर डाका - 6 महीने से वेतन न मिलना किसी प्रता?ना से कम नहीं है। क्या नगर परिषद अध्यक्ष की जिम्मेदारी केवल संकल्प पारित करने तक सीमित है, कर्मचारियों का पेट भरने की नहीं?

कर्मचारियों का दर्द - हमें लगा था कि 26 साथियों का भला हो रहा है तो कल हमारा भी होगा, लेकिन यह तो सबको डुबोने की साजिश थी। आज हम न दैनिक वेतन भोगी हैं और न ही आउटसोर्स के नियम हमें स्पष्ट हैं। बस वेतन बंद है।

तीखे सवाल

सवाल 1- जब शासन का बजट आता है, तो कर्मचारियों की पगार क्यों रोकी गई है?
सवाल 2- पीआईसी के संकल्पों को लागू करने के बजाय उन्हें ढाल बनाकर कर्मचारियों को गुमराह क्यों किया गया?
सवाल 3- क्या 26 कर्मचारियों का चयन केवल राजनैतिक रसूख के आधार पर किया गया था?
निष्कर्ष-नगर परिषद न्यूरामनगर में प्रशासनिक अराजकता चरम पर है। कर्मचारियों की रुकी हुई वेतन और उनके भविष्य के साथ हो रहा यह खिलवाड़ जल्द बंद नहीं हुआ, तो आने वाले समय में बड़ा जनाक्रोश तय है।

विधायक विक्की भैया को जन्मदिन की बधाई देने दिनभर लगा रहा तांता

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान 23 अप्रैल,रामपुर बाघेलान के जन प्रिय विधायक विक्रम सिंह विक्की भैया के जन्मदिन पर उनके निवास पर दूर दराज की जनता के मिलकर बधाई देने क्रम सुबह से देर रात तक जारी रहा।

विधायक विक्की भैया ने शिव मंदिर में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया। युवा कलाकारों के द्वारा सुंदर कांड का पाठ का किया गया। इस अवसर पर मृगेंद्र सिंह, संजय पाण्डेय, अशोक सिंह, रामपाल सिंह, अजीत सिंह, शिव मोहन सिंह, सुनील सिंह, पवन गौतम, प्रदीप सिंह, शैलेंद्र निगम, संतोष सिंह, अंबू सिंह, संदीप गुप्ता, पुष्पराज कुशवाहा, दिलीप सोनी, राजीव शुक्ला, नायब तहसीलदार रीवा, टी आई संदीप चतुर्वेदी, रावेंद्र परिहार, सुंदर गुप्ता, दीपक सिंह, गंगा सिंह, कुबेर ताम्रकार, शिवांक त्रिपाठी, कमलेश कुमार, सीएमओ अरुण श्रीवास्तव, विश्वजीत कुशवाहा, आकाश सेन, अभिषेक खरे, इशाक खान, सहित सैकड़ों लोगों उपस्थित रहे।

ओम गुप्ता ने परिवार का गौरव बढ़ाया

हिरौंदी 23 अप्रैल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मध्य प्रदेश द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में ओम गुप्ता ने सीएमए हायर सेकंडरी स्कूल रीवा रोड सतना से अध्ययन कर 82.60त्न 500 में से 413 अंक प्राप्त कर परिवार का गौरव बढ़ाया है। पिता बलराम गुप्ता एवं माता करुणा गुप्ता के पुत्र ओम गुप्ता निवासी महाराणा प्रताप नगर रामकृष्ण कॉलेज के बगल में । उनकी इस सफलता पर परिजनों, शिक्षकों तथा क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

वनांचल क्षेत्र में आदिवासियों की अनूठी पहल

वन विभाग को सौंपे 10 हजार सीड बॉल

नवभारत न्यूज

मझगवां 23 अप्रैल, तहसील मझगवां के ग्राम बांका में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल सामने आई है। जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को 10 हजार सीड बॉल सौंपे गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. पी.सी. दुबे (द्बस्नस्) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य वन संरक्षक रीवा वृत्त राजेश राय (द्बस्नस्), वन मंडल अधिकारी सतना मयंक चांदीवाल, उप वन मंडल अधिकारी चित्रकूट अभिषेक तिवारी तथा जनपद सदस्य श्रीमती सोना बाई सिंह गोंड उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ग्रामीण आदिवासियों ने पारंपरिक तरीके से अतिथियों का स्वागत किया और महुआ के पौधे, सीड बॉल व मोर पंख विजना भेंट किए। समिति द्वारा वर्षा ऋतु में पौधारोपण के उद्देश्य से ये 10 हजार सीड बॉल वन विभाग को दिए गए। मुख्य अतिथि डॉ. दुबे ने अपने संबोधन में वृक्षों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पौधारोपण एक ही प्रजाति के समूह में किया जाए, जिससे उनका बेहतर विकास हो सके। उन्होंने जंगलों में आग से बचाव की अपील भी की। समिति की अध्यक्ष श्रीमती सोना बाई सिंह गोंड ने बताया कि पिछले दो वर्षों से ग्रामीणों द्वारा महुआ पेड़ों के आसपास साफ-सफाई और जल संरक्षण का कार्य किया जा रहा है, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है और आग की घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने जानकारी दी कि बिरसा मुंडा उद्यान बांका में 251 पौधे सफलतापूर्वक विकसित हो रहे हैं, वहीं 85 हजार पौधों की नर्सरी भी तैयार की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। वन विभाग के अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए समिति को 10 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की और इसे जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी मझगवां रंजन सिंह परिहार, वन परिक्षेत्र अधिकारी बांकी (रीवा) दिग्विजय सिंह सहित वन विभाग के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण आदिवासी महिला-पुरुष उपस्थित रहे। अंत में वन परिक्षेत्र अधिकारी मझगवां ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे : विदिशा मुखर्जी

नवभारत न्यूज

मैहर 23 अप्रैल, जिले में पोषण सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी ने फ्सभा संवादफ् कार्यक्रम के दूसरे चरण में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले के साथ सघन समीक्षा की।

उन्होंने परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा कर जमीनी स्तर पर योजनाओं की स्थिति का आकलन किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सभी सेवाएं नियमित और गुणवत्तापूर्ण तरीके से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में एक भी बच्चा कुपोषित नहीं रहने पाए, इसके लिए सभी स्तर पर समन्वित और सतत प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी में पंजीकृत बच्चों की संख्या, गंभीर कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों की स्थिति, पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती तथा उनके उपचार और फॉलोअप की जानकारी विस्तार से ली।

अगले सभा संवाद के कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ 5 बेस्ट फारमर होंगे पुरूस्कत

नवभारत न्यूज

मैहर 23 अप्रैल, कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने सभा संवाद कार्यक्रम के अगले चरण में राजस्व विभाग के पटवारी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के सचिव और रोजगार सहायक और जनपद स्तर के अधिकारी, आजीविका मिषन और जन अभियान परिषद के पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा कर मैदानी स्तर पर योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीने के बाद फिर से सभा संवाद का कार्यक्रम किया जायेगा और उसमें 5 बेस्ट फारमर को पुरूस्कृत भी किया जायेगा। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अंतर्गत पटवारियों से चर्चा कर नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान, सीएम किसान, खसरा सुधार, सीएम हेल्पलाइन, कटे-फ्टे नक्षा का सुधार कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

पर्यटन ऐतिहासिक किला सुर्की राजवंश के गौरवगाथा का साक्षी है तरौहा का एतिहासिक किला

तरौंहा किला में दफन है पुरातात्विक इतिहास : डॉ .संग्राम सिंह

अमर सिह राठौर

चित्रकूट 23 अप्रैल, पुरातत्व, इतिहास, धर्म, अध्यात्म,पर्यटन व शिक्षा की दृष्टि से तरौहा प्राचीन काल से वैभवशाली रहा है। तरौंहा किला व झारखंडी माता मंदिर सुर्की राजवंश के गौरवगाथा के साक्षी हैं।

यह किला मूल रुप से कर्वी की प्राचीन बस्ती तरौंहा में स्थित है। यहां पर राम बाग अखाड़ाएजय देव अखाड़ाएमठए मंदिर व संस्कृत महाविद्यालय स्थिति हैं। तमाम उदभट विद्वान तरौंहा में रहते थे। बीरबल तथा तानसेन दोनों यहां के सुर्खी राजा रामकृष्ण जू देव के दरबार से दिल्ली गए थे यह घटना यह बताती है कि चित्रकूट का तरौंहा सचमुच शिक्षा की दृष्टि से वैभवशाली था। हिंदी के मूर्धन्य विद्वान राहुल सांकृत्यायन भी तरौंहा के जयदेव संस्कृत महाविद्यालय के छात्र रहे हैं।तरौंहा प्राचीन काल से शिक्षाए साहित्यए पुरातत्वए इतिहास व धर्म की दृष्टि से महत्व का रहा है। यहां का जगन्नाथ पुरी का रथ मेला भी धार्मिक दृष्टि से प्रसिद्ध है। यहां एक प्राचीन झारखंडी माता मंदिर है जिसके बारे में उल्लेख है कि देश के आठ शक्ति पीठों में से एक है। यहां स्थित तरौंहा किला इतिहास व पुरातत्व की दृष्टि से प्रसिद्ध है।बघेल राज्य के मूल पुरुष व्याघ्र देव ने

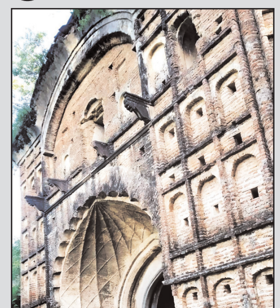

बुन्देलखण्ड के उत्तरी पश्चिमी भाग पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया।अपनी राजधानी सर्वप्रथम तरौंहा तत्पश्चात गहोरा यरैपुराद्धमें स्थापित किया। व्याघ्र देव के 14 वंशजों ने 275वर्षों तक इसी चित्रकूट से शासन किया। व्याघ्र देव के साथ सुर्कीयसोलंकीद्ध गुजरात से बुन्देलखण्ड आए थे।इतिहासकारए शोधकर्ताए शिक्षक डॉ 0संग्राम सिंह ने बताया कि सुर्की राजा सुखदेव ने 1147ई0में तरौंहा का किला बनवाया था।इस किले पर 28पीढियों ने राज्य किया था। चित्रकूट सुर्कियो का प्रसिद्ध राज्य था।यह किला ऐतिहासिक महत्व का रहा है। वर्तमान में यह किला अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।संरक्षण व देखरेख के अभाव में यह किला ध्वस्त हो रहा है। प्रत्यक्ष अवलोकन के आधार पर इतिहासकार डॉ0संग्राम सिंह ने बताया कि किले के टीलों में सुर्की राजवंश का पुरातात्विक इतिहास दफन है।इसकी महत्ता को उजागर करने की महती आवश्यकता है।इसका उत्खनन कराकर नवीन संग्रंथन की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को जान सके। तरौंहा की विरासतों को संजोने की जरूरत है।इसको पर्यटन स्थल के रूपमेंसंरक्षित कर विकसित किया जा सकता है। मूल बस्ती में स्थित यह किला अपने वैभवशाली इतिहास का द्योतक है.